उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण, दिसंबर 2011*

इस लेख में दिसंबर 2011 में किए गए उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण के प्रमुख निष्कर्ष दिए गए हैं तथा यह सर्वेक्षण इस श्रृखंला का 7वां दौर है। इस लेख में सामान्य आर्थिक स्थितियों तथा अपनी स्वयं की वित्तीय स्थिति के बारे में उत्तर देने वालों के विचारों के आधार पर उपभोक्ताओं के विचार दिए गए हैं। इन आकलनों का दो खंडों में विश्लेषण किया गया है, नामतः एक वर्ष पहले की तुलना में वर्तमान स्थिति और एक वर्ष बाद के लिए संभावनाएं।

सर्वेक्षण से वर्तमान और भविष्य की आर्थिक स्थितियों के बारे में सकारात्मक सोच में सुधार का संकेत मिलता है। यद्यपि घरेलू परिस्थितियों के बारे में सकारात्मक सोच में थोड़ा सुधार हुआ है, लेकिन लगभग एक चौथाई उत्तरदाता इस संबंध में कमजोरी की बात बता रहे हैं। आय में वृद्धि की रिपोर्ट करने वाले उत्तरदाताओं का अनुपात अधिक रहा है किंतु पिछली चार तिमाहियों में इसमें कमी दिखाई दी। इसी प्रकार से भविष्य में बढ़े हुए खर्च की प्रत्याशा करने वाले उत्तरदाताओं का अनुपात धीरे-धीरे कम हो रहा है। आधे से अधिक उत्तरदाताओं ने अर्थव्यवस्था में रोजगार की स्थिति के बारे में आशावादी विचार व्यक्त किया है। कुल मिलाकर, वर्तमान और भविष्य - दोनों अवधियों में उपभोक्ता विश्वास में थोड़ा सुधार हुआ प्रतीत होता है।

I. प्रस्तावना

कारोबारी सोच में बदलाव की ही तरह उपभोक्ता विश्वास के बदलाव में वास्तविक आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित करने की क्षमता होती है। इस प्रकार नीतियों के दृष्टिकोण से वर्तमान और भविष्य की आर्थिक तथा वैयक्तिक वित्तीय स्थितियों में उपभोक्ता के विश्वास का विशेष महत्त्व है। इसी परिप्रेक्ष्य में आर्थिक स्थिति पर निगरानी रखने के लिए ऊपर बताई गई स्थितियों के बारे में गुणात्मक सूचना प्राप्त करने के लिए उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण किए जाते हैं। भारतीय रिज़र्व बैंक तिमाही उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण जून 2010 से कर रहा है। इस तरह का पिछला सर्वेक्षण दिसंबर 2011 में किया गया था। इस रिपोर्ट में उक्त सर्वेक्षण की मुख्य-मुख्य बातें प्रस्तुत की गई हैं।

* नई दिल्ली के सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग में तैयार किया गया। इस विषय पर पिछला लेख भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन के दिसंबर 2011 अंक में प्रकाशित किया गया था जिसमें सर्वेक्षण अनुसूची एवं विश्वास इंडेक्स बनाने की कार्यविधि भी दर्शाई गई थी।

II. नमूनों का स्वरूप

सर्वेक्षण में छह महानगरों नामतः बेंगलूरु, चेन्नै, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और नई दिल्ली को शामिल किया गया है। प्रत्येक शहर को तीन प्रमुख क्षेत्रों में बांटा गया और प्रत्येक प्रमुख क्षेत्र को तीन उप-क्षेत्रों में बांटा गया। प्रत्येक उप-क्षेत्र से लगभग 100 उत्तरादाताओं का यादृच्छिक चयन किया जाता है। प्रत्येक दौर के सर्वेक्षण के लिए 5,400 उत्तरदाताओं का चयन किया जाता है (प्रत्येक शहर से 900 उत्तरदाता)। सर्वेक्षण की कुल 5400 अनुसूचियों में से 5272 अनुसूचियों को भावी विश्लेषण के लिए उपयुक्त पाया गया।

III. सर्वेक्षण प्रश्नावली का स्वरूप

सर्वेक्षण अनुसूची में लोगों की आर्थिक स्थितियों के बारे में विचार, घरेलू परिस्थितियों के बारे में विचार, कीमतों के स्तर के संबंध में सोच, रोजगार की संभावना के बारे में सोच, स्थावर संपदा की कीमतों से संबंधित गतिविधियों और भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि की क्षमता के संबंध में गुणात्मक प्रश्न शामिल होते हैं।

IV. सर्वेक्षण के निष्कर्ष : मुख्य-मुख्य बातें

IV.1 आर्थिक परिस्थितियाँ

- वर्तमान और भविष्य की आर्थिक परिस्थितियों के बारे में लोगों की सकारात्मक सोच में सर्वेक्षण के पिछले दौर की स्थिति की तुलना में कुछ सुधार हुआ है (चार्ट 1)।

चार्ट 1 : वर्तमान और भावी आर्थिक परिस्थितियों के विषय में राय

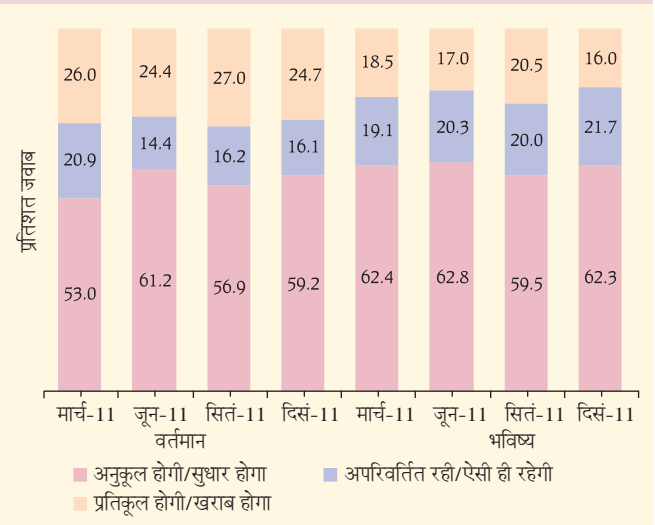

चार्ट 2 : एक वर्ष पहले की तुलना में घरेलू परिस्थितियों के बारे में धारणा

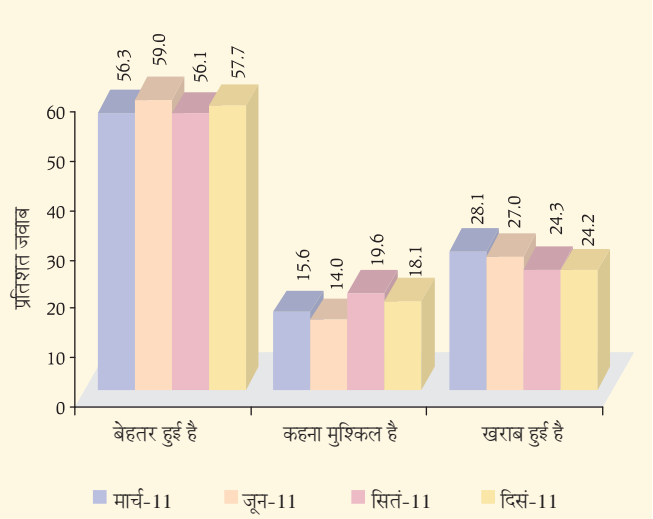

चार्ट 4 : परिस्थितियों को बेहतर बताने वाले उत्तरदाताओं की धारणा

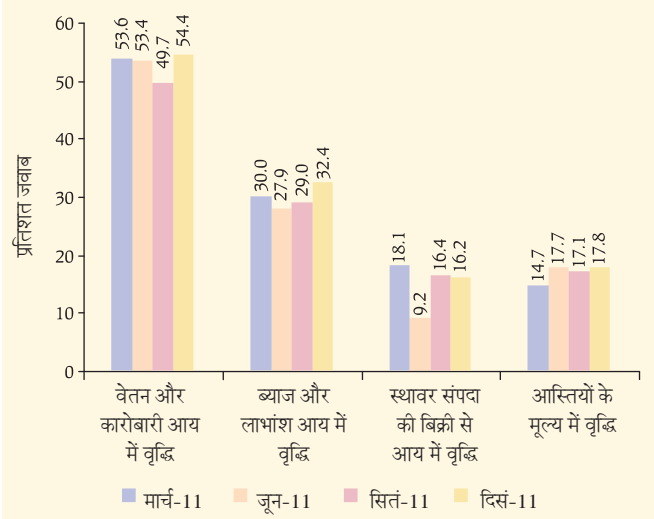

IV.2 घरेलू परिस्थितियाँ

- घरेलू परिस्थितियों के बारे में सकारात्मक सोच में कुछ सुधार होने के बावजूद लगभग एक चौथाई उत्तरदाताओं ने इसमें कमी की आशंका व्यक्त की है (चार्ट 2)।
- दिसंबर 2011 में घरेलू परिस्थितियों पर निवल जवाब में कुछ सुधार हुआ है (चार्ट 3)।
- जिन उत्तरदाताओं ने घरेलू परिस्थितियों को 1 वर्ष पहले की तुलना में बेहतर बताया था, उनमें से लगभग आधे उत्तरदाताओं ने इस सुधार का मुख्य कारण वेतन और कारोबार से होने वाली आमदनी में वृद्धि होना बताया (चार्ट 4)।
- जिन उत्तरदाताओं ने घरेलू परिस्थितियों को खराब बताया उनमें से 17 प्रतिशत ने इसका कारण 'मूल्य स्तर में वृद्धि' को माना तथा अन्य 16 प्रतिशत ने 'वेतन और कारोबारी आय में कमी' को इसका कारण माना (चार्ट 5)।

IV.3 आय

- वर्तमान के साथ ही भविष्य की आय में वृद्धि की उम्मीद करने वाले उत्तरदाताओं का अनुपात अधिक होने के बावजूद

चार्ट 3 : घरेलू परिस्थितियों के बारे में निवल जवाब

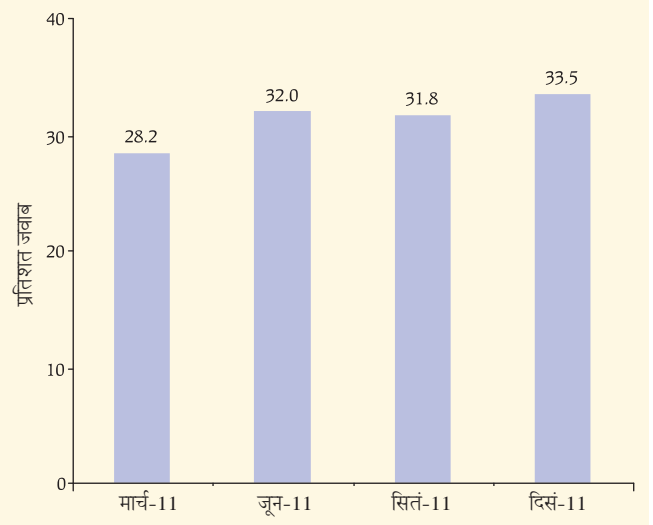

चार्ट 5 : परिस्थितियों को खराब बताने वाले उत्तरदाताओं की धारणा

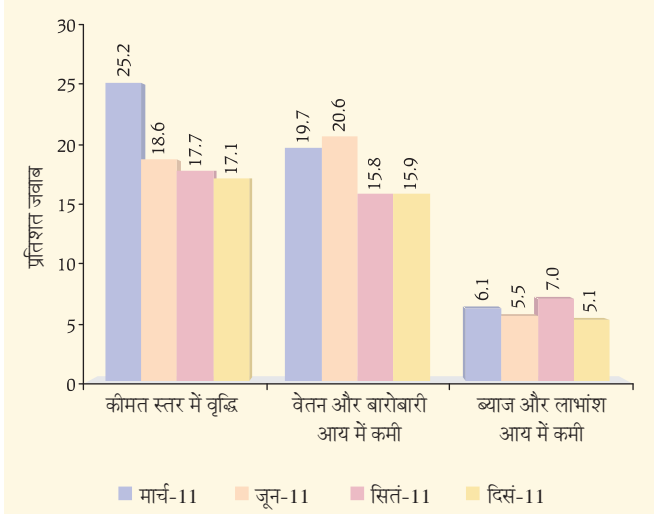

चार्ट 6 : आय के संबंध में धारणाएं

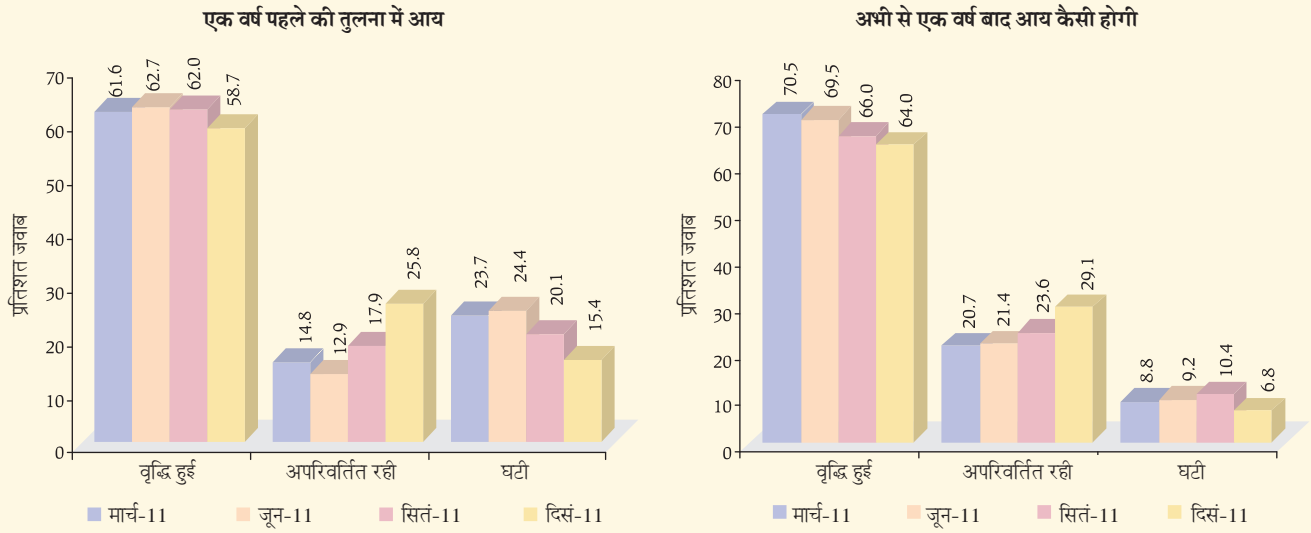

हाल के सर्वेक्षण दौर की तुलना में इसमें कमी दिखाई दी (चार्ट 6)।

- भावी आय के संबंध में निवल जवाब में कुछ वृद्धि हुई (चार्ट 7)।

IV.4 उपभोक्ताओं का खर्च

- वर्तमान खर्च के संबंध में निवल धारणाओं में एक वर्ष पूर्व की तुलना में कुछ वृद्धि हुई (चार्ट 8)। तथापि, भावी खर्च में वृद्धि की जानकारी देने वाले उत्तरदाताओं के अनुपात में सर्वेक्षण के पिछले तीन दौर से कमी आती जा रही है।
- लगभग 46 प्रतिशत उत्तरादाताओं ने बताया कि वर्तमान आय में वृद्धि के कारण उनके खर्च में वृद्धि हुई। खर्च में वृद्धि का कारण वस्तुओं और सेवाओं की लागत में वृद्धि को बताने वाले उत्तरदाताओं की धारणा सर्वेक्षण के पिछले दौर की धारणा के लगभग समान रही (चार्ट 9)।

चार्ट 7 : आय के संबंध में निवल जवाब

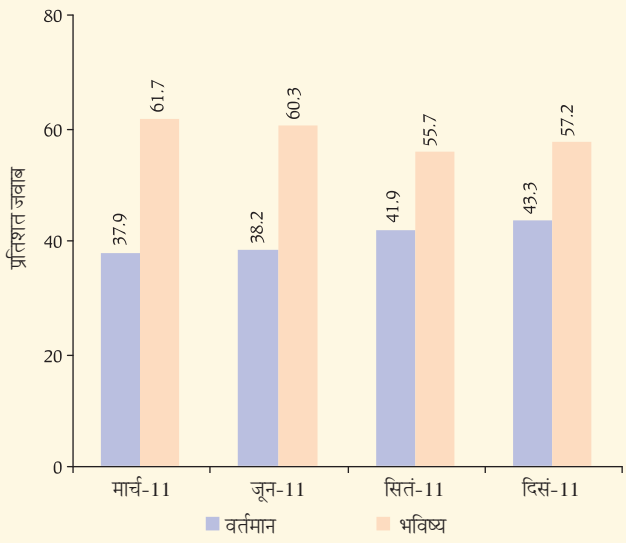

चार्ट 8 : खर्च के संबंध में निवल जवाब

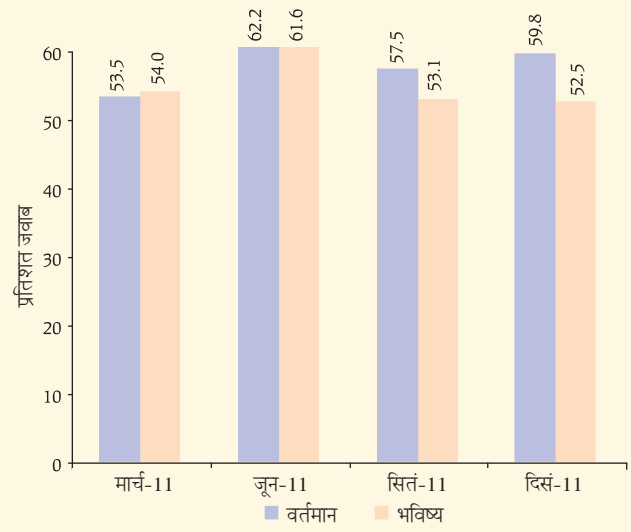

चार्ट 9: खर्च को प्रभावित करने वाले कारक

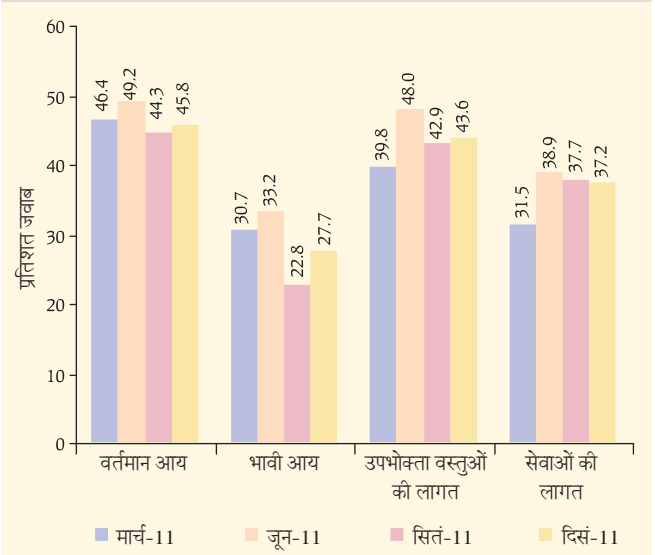

चार्ट 10: कीमत स्तर के संबंध में निवल जवाब

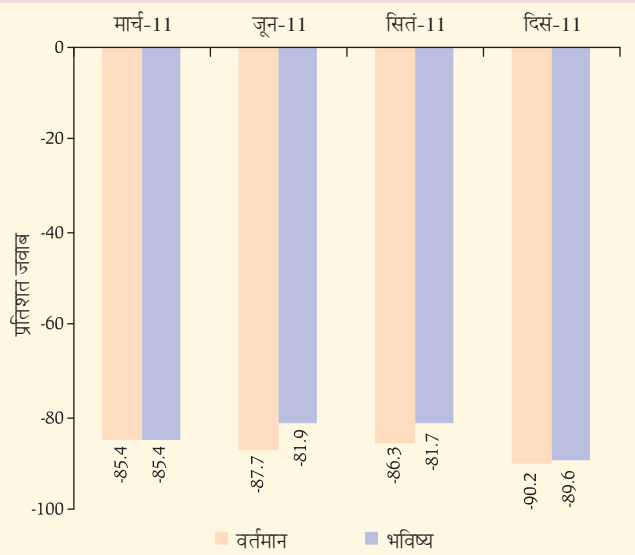

IV.5 कीमत स्तर

- कीमत स्तर के विषय में निवल जवाब से स्पष्ट होता है कि भावी अवधि के लिए कीमत स्तर के बारे में नकारात्मक धारणा में सितंबर 2011 की तुलना में दिसंबर 2011 में वृद्धि हुई है (चार्ट 10)।

V. अन्य समष्टि आर्थिक संकेतकों के संबंध में धारणा

V.1 ब्याज दरें

- 80 प्रतिशत से अधिक उत्तरदाताओं का विचार था कि उधार लेने वालों की दृष्टि से वर्तमान ब्याज दरें अधिक हैं। केवल 15 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने विचार व्यक्त किया कि उधार लेने वालों की दृष्टि से ब्याज दरें ठीक हैं (चार्ट 11)।

V.2 रोजगार की स्थितियां

- रोजगार की स्थितियों के संबंध में उत्तरदाताओं की धारणा अधिक आशावादी थी।लगभग आधे उत्तरदाताओं का विचार था कि रोज़गार की भावी संभावनाएं अनुकूल हैं। (चार्ट 12)।
- रोजगार की संभावनाओं के बारे में 'काफी चिंतित' उत्तरदाताओं के अनुपात में काफ़ी कमी हुई है।

चार्ट 11: उधार लेने वालों और जमाकर्ताओं के दृष्टिकोण से वर्तमान ब्याज दर का स्तर

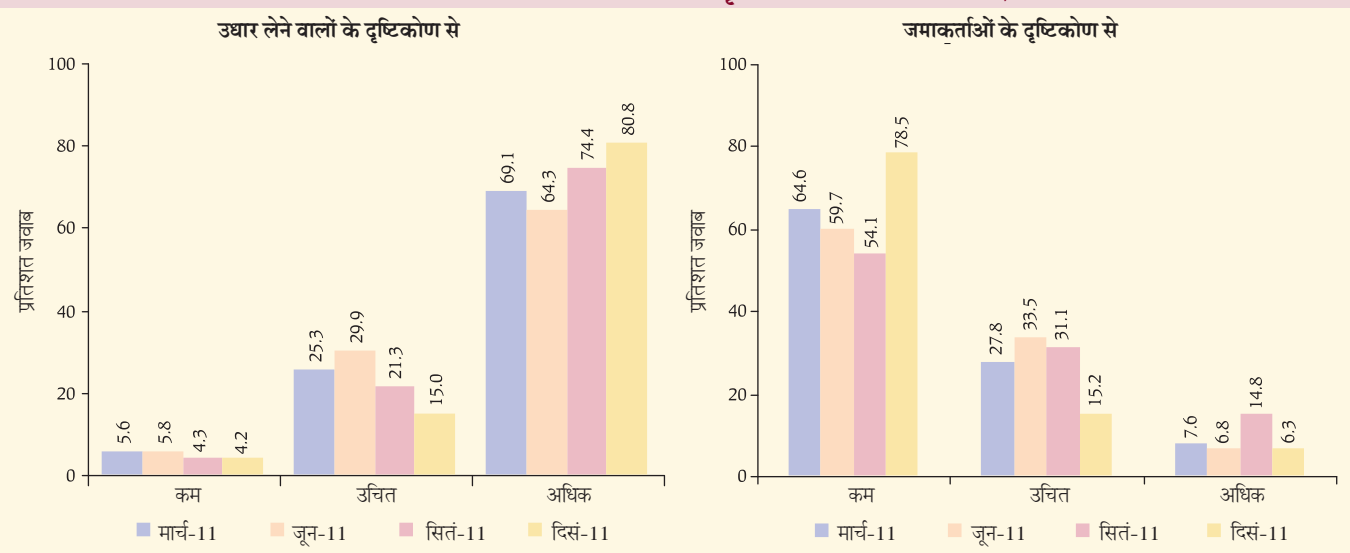

चार्ट 12 : रोजगार के संबंध में धारणा

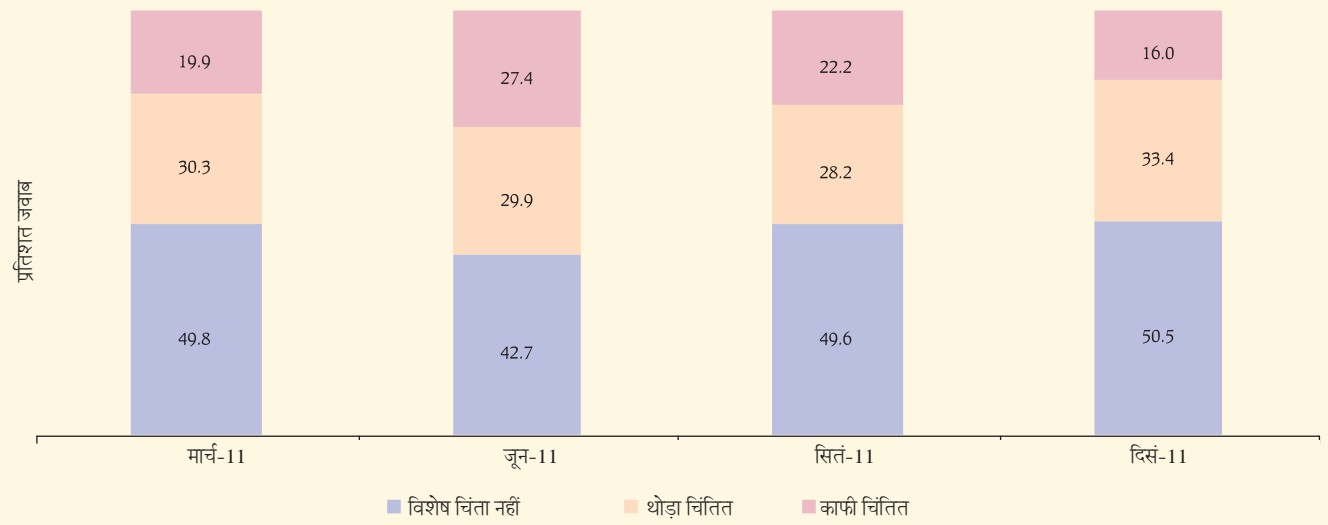

V.3 स्थावर संपदा की कीमतों में भावी उतार-चढ़ाव

- स्थावर संपदा की कीमतों में भावी समय में वृद्धि की उम्मीद रखने वाले उत्तरदाताओं के अनुपात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई (चार्ट 13)।

V.4 अर्थव्यवस्था में वृद्धि की क्षमता

- लगभग 65 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि अर्थव्यवस्था में उसके वर्तमान स्तर से अधिक वृद्धि करने की क्षमता है (चार्ट 14)।

- सर्वेक्षण के पिछले दो दौर में मार्च 2011 और जून 2011 की तुलना में सामान्य रूप से सकारात्मक धारणा में कमी हुई।

VI. वर्तमान स्थिति सूचकांक और भावी प्रत्याशा सूचकांक

- वर्तमान स्थिति सूचकांक, जो चुनिंदा संकेतकों के संबंध में निवल जवाब, घरेलू परिस्थितियों, आय, खर्च और कीमत स्तर पर आधारित समेकित संकेतक है, सितंबर 2011 के

चार्ट 13: स्थावर संपदा की कीमतों के संबंध में धारणा

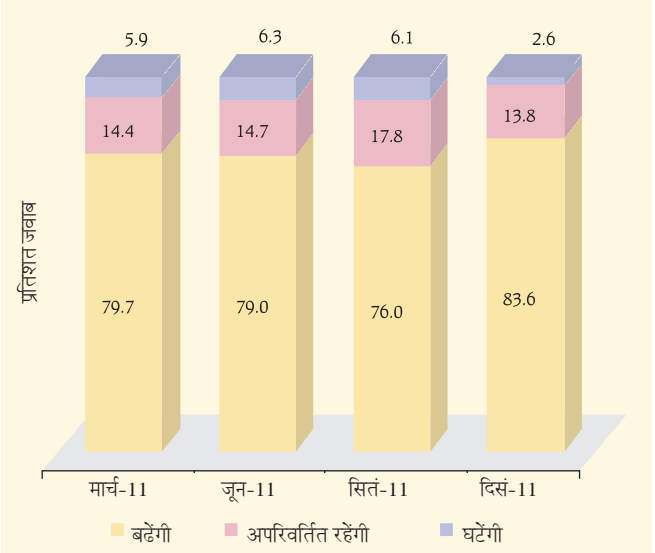

चार्ट 14: अर्थव्यवस्था की वृद्धि की क्षमता

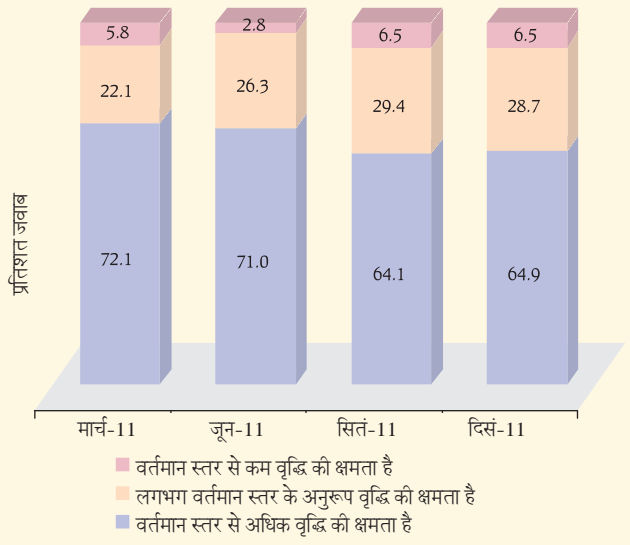

चार्ट 15 : वर्तमान स्थिति सूचकांक

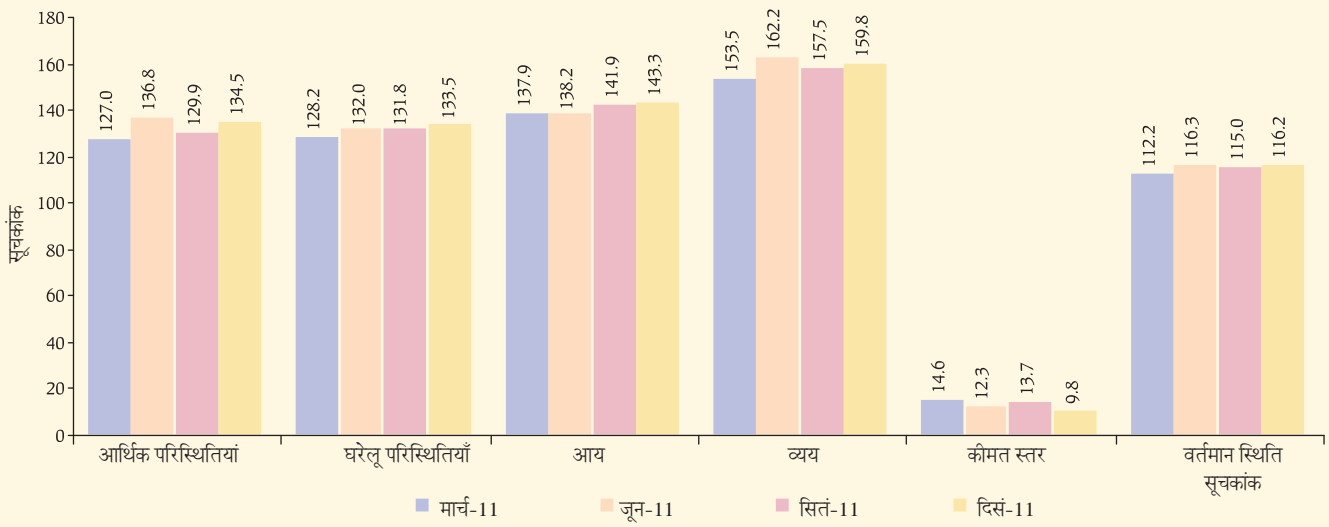

115.0 प्रतिशत से बढ़कर दिसंबर 2011 में 116.2 प्रतिशत हो गया (चार्ट 15)।

- भावी प्रत्याशा सूचकांक सितंबर 2011 में 118.7 था जो दिसंबर 2011 में बढ़कर 120.2 हो गया है (चार्ट 16)।

चार्ट 16 : भावी संभावना सूचकांक